[श्री सूरज प्रसाद]

बाकी हैं। यह कारखाना गत साल भी बन्द कर दिया गया था। इस कारखाने को चलाने के लिये बिहार सरकार ने तथा इंड स्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ने काफी रुपया मदद के रूप में दिया था। फिर भी इस साल यह कारखाना बन्द कर दिया गया है। यह कारखाना पुतारा हो गया है और इस कारखाने के आधुनिकीकरण की दिशा में मालिकों ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है, यद्यपि इस कारखाने की आमदनी से दूसरे कारखाने खोले जा रहे है। इस कारखाने के बीमार हो जाने के कारण इसको बंद कर दिया गया है और इससे हजारों मजदूर बेकार हो गये है इसे कारखाने को चलाने में मालिक की दिलचस्पी नहीं है। ऐसी अवस्था में एक रास्ता बचा है और वह यह कि केन्द्रीय सरकार इसको अपने हाथ में ले। या वह बिहार सरकार को आदेश दे कि वह इसकारखाने के अन्दर जो काम करने वाले 20 हजार मजदूर हैं उनको काम पर लाया जा सकता है तथा उनके बाकी वेतन का भुगतान कया जा सकता है।

REFERENCE TO THE ALLEGED THREAT TO THE LIFE OF PRIME MINISTER

श्री रामानन्द यादव (बिहार) : मान्यवर, मैं आपका, सरकार का, सारे सदन का और देश का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। मान्यवर, देश प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के जीवकी को बहुत बड़ा खतरा पैदा हो गया है। न जैसाकि आप जानते है कि डाक्टर जगजीत सिंह चौहान जो अपने को स्वयंभू खालिस्तान मूवमेंट का नेता मानता है, उन्होंने बी० बी० सी० से खुद ऐलान किया है कि वह उसको एक मिलियन पौंड का इनाम देगा जो व्यक्ति इंदिरा जी की हत्या कर देगा या उनके परिवार को नष्ट कर देगा। मान्यवर, अभी-अभी हाल ही में ईराक से भारतीय दूतावास के एक अधिकारी ने भारत सरकार को लिखा, वहां से मैसेज दिया कि एक अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवादी इंदिरा जी की हत्या करने के लिये ईराक एयर वेज से फलाने नम्बर के अन्दर प्रस्थान कर रहा है। यहा के 'रा' के चीफ को यह खबर लगी और उस आतंकवादी परमजीत सिंह को पालम हवाई अड्डे पर जुलाई महीने में जब वह जहाज से उतरा तो उसको अरैस्ट कर लिया।

'रा' के चीफ ने जब उससे पूछतांछ की तो उसने बताया कि हां एक अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसी, सी० आई० ए० कहिये या कोई और कहियें उसने उसको हायर किया है इंदिरा जी की हत्या करने के लिये। लिस्ट पर प्रथम इंदिरा जी की हत्या करना, दूसरा ज्ञानी जैल सिंह की हत्या करना और तीसरा इंदिरा जी जी के सारे खानदान को नष्ट करने के लिये है। मान्यवर, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जब साम्राज्यवादी देशों ने यह देखा कि भारत के दुश्मनों ने जो देश के अंदर हैं, जो बाहर की ताकतों के साथ अपने सम्बन्ध बनाये हुये हैं उन्होंने देखा कि बेलेट के द्वारा हम इंदिरा जी की पापुलर्टी को खत्म नहीं कर सकते कांग्रेस की सरकार बनेगी तथा इंदिरा जी जीतेंगी तो वे अंतर्राष्ट्रीय षडयन्त्रकारियों के साथ मिल गये और यहां के जो कम्युनल तत्व और साम्प्रदायिक तत्व तथा सेशेसेनिस्ट तत्व है जो विदेशी ताकतों से सम्बन्ध बनाये हुये हैं उन लोगों ने मिलकर के एक बहुत बड़ा षड़यन्त्र किया है ताकि इंदिरा जी को नष्ट कर दिया जाए और आने वाले चुनावों में शायद और भी प्रखर रूप से उनकी हत्या कर देने का प्रयास किया जाये। मान्यवर, मैं यहां के एडमिनिस्ट्रेशन से और माननीय स्टेट होम मिनिस्टर साहब यहां बैठे हैं उनसे यह कहना चाहूंगा कि सरकार उनकी रक्षा के लिये हर तरह का प्रयास करे और यह जो प्रगतिशील इंदिरा जी 'नाम' को लीड कर रही है

आज इंदिरा जी यूनिफायर हो गयी हैं (व्यवधान) देश को विदेशी ताकतों से बचाने वाली हो गयी हैं (व्यवधान)

श्री सुशील चन्द महन्त (हरियाणा) : यह क्या स्पेशल मेंशन पर बोल रहे हैं... (व्यवधान)

श्री रामानन्द यादव : गरीबों को आशा हो गयी हैं और यहां की तथा बाहर की जो कम्युनल ताकतें हैं (व्यवधान) मान्यवर, यह जो बोल रहे हैं यह वही ताकत है। अमरीका के साथ सी० आई० ए० के साथ खड़े होकर, उनकी हत्या करना चाहते हैं· मैं भारत के एडमिनिस्ट्रेटर लोगों से आग्रह करूंगा और अपील करूंगा और भारत के गृह मंत्री जी से कहूंगा कि आप इंदिरा जी को रक्षा के लिए समुचित प्रबन्ध करें, यह आपका उत्तरदायित्व है। ... (व्यवधान)

THE MNISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAAH): Take it seriously.

श्री रामानन्द यादव : साथ ही साथ मैं अपने विरोधी प्रगतिशील साथियों से भी अपील करूंगा कि वे षडयंत्रकारियों के इस प्रयास का खुल कर के विरोध प्रकट करें ताकि यहां इस देश को ताकतें उनके साथ कोलेबोरेशन न कर सकें। (व्यवधान)

REFERENCE TO THE CLOSURE OF BUCKINGHAM & CARNATAK MILLS IN MADRAS

SHRI ALADI ARUNA ALIAS V. ARUNACHALAM (Tamil Nadu): Sir, I would like to mention a matter of urgent public importance regarding the closure of B and C Mills in Madras Since the B & C Mills remains closed for the past 7 months, nearly 7,000 workers have been thrown out of employment. Their families have suffered a lot. They have been reduced to the deplorable position ot begging for their livelihoood.

Yesterday, there was a big rally in Madras by five thousand workers condemning the indifferent attitude of the Centre in taking over the Mills.

It is one of the oldest composite mills in India. Its products are supplied to defence and other public sector undertakings. Formerly, there were 14,000 workers in the Mills. Now the strength of the workers has been reduced to 7,000 due to inefficiency, corruption and swindling of the management.

The Mills remains closed because the management wants to impose additional work load and to reduce the strength of the workers further. This has been strongly resisted by trade unions.

State Government have referred the dispute to a special tribunal for adjudication and advised the workers to resume work. When the workers went back to resume work as per the advice of the Government, they were told by the management that there was no work.

The peculiar situation is there is neither a lay-off nor a closure but. It is quite illegal.

The Government of Tamil Nadu has strongly recommended that the Mills must be taken over by National Textile Corporation.

Our hon. Chief Minister, Dr. M.G.R., during his speech in National Development Council, has emphatically stressed the need for nationalization of the Mills. The House is aware of the fact that so far National Textile Corporation has taken over 125 mills. you know well, in last December, 1983, by one stroke this Government has nationalised 13 mills in Maharashtra. The fact that in Maharashtra alone nearly 45 sick mills have been taken over by the National Textile Corporation. Whenever the demand comes